आओ चलें सम्पूरणता की और .....

08 / 11 / 14 की मुरली से

- स्वमान :-

√ मैं नंबर वन विशेष आत्मा हूँ ।

- गुण / धारणा / अभ्यास पर अटेंशन :-

√ संकल्प और कर्म के अंतर को समाप्त करना

- बाबा से सम्बन्ध का अनुभव :-

√ बाप

- मनन चिंतन :-

√ स्मृति को अनुभव की स्थिति में स्थित करने की क्या विधि है ?

@ शिवभगवानुवाच :-

→_→ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

- होमवर्क :-

- Total Marks :- 50 -

- पॉइंट 1 To 7 के 5 मार्क्स हैं -

- पॉइंट 8 के 15 मार्क्स हैं -

(1) विघनो से डरे तो नहीं ?

(2) सदा एकरस और हर्षितमुख रहे ?

(3) बाबा को बाप टीचर और सतगुरु तीनो संबंधो से याद किया ?

(4) वर्से की स्मृति से चेहरा सदा चमकता रहा ?

(5) श्रीमत पर चलकर विश्व को चेंज करने की सेवा की ?

(6) मन और बुधी को बार बार अनुभव की सीट पर सेट किया ?

(7) बुराई की रीस को छोड़ अच्छाई की रेस की ?

@ बापदादा (05/11/2014) :-

→_→ हर एक दीपक दीपराज की याद में चमक रहे हैं । बापदादा भी हर दीपक को बहुत बहुत बहुत दिल से यादप्यार दे रहे हैं ।

(8) आज दिन भर स्वयं को दीपक समझ दीपराज बाबा की याद में चमकते रहे ? आज दिन भर बापदादा का याद्प्यार स्वीकार किया ?

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

● मनन चिंतन :-

√ स्मृति को अनुभव की स्थिति में स्थित करने की क्या विधि है ?

➢ अविनाशी वैध (बाबा) की श्रीमत से माया की बिमारी को भगाकर मनमना भव: का पाठ पक्का कर लेने से।

➢ गृहस्त व्यवहार संभालते भी सर्व संबंधो को भूल इस अनादी ड्रामा निराकारी अविनाशी आत्मा व् विनाशी साकार शरीर का खेल है ये मानकर।

➢ बेहद के बाप के याद तले सम्पूर्ण पवित्रता हासिल कर लेने से।

➢ स्वयम की अवस्था को सदेव एकरस व् हर्षितमुख रख बेहद के बाप को बाप टीचर व् सदगुरु तीनो रूप में याद करने से।

ॐ शांति।